



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग I—खण्ड 1

PART I—Section 1

प्राधिकार से प्रकाशित

PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 32]

नई दिल्ली, सोमवार, जनवरी 26, 2009/माघ 5, 1931

No. 32]

NEW DELHI, MONDAY, JANUARY 26, 2009/MAGHA 5, 1931

राष्ट्रपति सचिवालय

अधिसूचना

नई दिल्ली, 20 जनवरी, 2009

सं. 5-प्रेज/2010.—राष्ट्रपति, निम्नलिखित व्यक्ति को अत्यधिक वीरतापूर्ण कार्य के लिए “अशोक चक्र” प्रदान करने का अनुमोदन करती हैं :—

**2890262 हवलदार राजेश कुमार, 11वीं बटालियन, राजपूताना राइफल्स (मरणोपरान्त)**

(पुरस्कार की प्रभावी तारीख : 01 अगस्त, 2009)

01 अगस्त, 2009 को जम्मू-कश्मीर के कुपवाड़ा जिले के घने जंगल में तलाशी कर रहे घातक दल के एक सेक्शन पर आतंकवादियों द्वारा जबरदस्त अंधाधुंध गोलीबारी की गई। सेक्शन का नेतृत्व कर रहे हवलदार राजेश कुमार ने जवाबी गोलीबारी की और झाड़ियों से आतंकवादी को निकालने के लिए झाड़-झंखाड़ में से रेंगकर वह आगे बढ़े। अडिग निश्चय से वह आतंकवादी के नजदीक गए और उसे मार गिराया। तलाशी करते हुए ढालू चट्टान के ऊपर बैठे दो आतंकवादियों द्वारा फिर से उन पर गोलीबारी की गई।

अपने दल के सदस्यों की जान के खतरे को भांपते हुए यह एनसीओ गोलियों की भयंकर बौछार के बीच में से आगे बढ़े तथा एक आतंकवादी को घेर लिया। आगे बढ़ते समय उनके पेट में गोलियाँ लगीं। गोलियों के घावों की परवाह न करते हुए इस एनसीओ ने गोली से दूसरे आतंकवादी को मार गिराया। खून से लथपथ होते हुए वह आगे बढ़े तथा तीसरे आतंकवादी को पीछे से घेर लिया तथा उससे भयंकर गुत्थमगुत्था की। घावों के कारण वीरगति को प्राप्त होने से पहले गोलियों की बौछार से तीसरे आतंकवादी को भी मार गिराया।

हवलदार राजेश कुमार ने आतंकवादियों के विरुद्ध लड़ाई में अति असाधारण वीरता, धैर्य तथा आत्म-बलिदान की अद्वितीय भावना का प्रदर्शन किया।

बरुण मित्रा, राष्ट्रपति के संयुक्त सचिव

## PRESIDENT'S SECRETARIAT

## NOTIFICATION

New Delhi, the 20th January, 2010

No. 5—Pres/2010.—The President is pleased to approve the award of the “Ashoka Chakra” to the undermentioned person for the act of most conspicuous gallantry :—

**2890262 HAVILDAR RAJESH KUMAR**  
**11<sup>TH</sup> BATTALION, THE RAJPUTANA RIFLES (POSTHUMOUS)**

(Effective date of the award : 01 August, 2009)

On 01 August, 2009, a Section of Ghatak team searching the dense forest in Kupwara district of Jammu & Kashmir was subject to intense and indiscriminate firing by terrorists. Havildar Rajesh Kumar, who was leading the Section, returned fire and scrambled into the undergrowth to outflank the terrorist. With dogged determination he closed-in around the flank and killed the terrorist. While continuing the search, the team was again engaged by two terrorists positioned upslope.

Realizing the danger to the lives of his teammates, the NCO moved to outflank one of the terrorists through a veritable hail of bullets. While closing-in, he sustained gun-shot wounds in the abdomen. Disregarding gunshot wounds, the NCO shot and killed the second terrorist. Bleeding profusely, he moved to outflank the third terrorist from his blind side and engaged him in fierce hand to hand combat killing him with the burst of fire, before succumbing to his injuries.

Havildar Rajesh Kumar showed unparalleled feat of most conspicuous gallantry, fortitude and the rare spirit of self sacrifice in fighting the terrorists.

BARUN MITRA, Jt. Secy. to the President